Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 31 October 2024

Dainik Jagran - 10

गोवि में बनेगा विधि विभाग का नया भवन

- दो मंजिला भवन के निर्माण की तैयारी में जुटा गोवि प्रशासन
- आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा नया भवन, प्रस्ताव तैयार

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विधि विभाग के नए भवन का निर्माण होगा। 9.50 करोड़ की लागत से बनने वाला यह भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। गोवि प्रशासन ने इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया है। भवन में कक्षाओं के लिए तैयार डिजाइन अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने में मददगार बनेगा।

विवि परिसर स्थित विधि भवन में एलएलबी की कक्षाएं चलती हैं। इस वर्ष से बीएएलएलबी की कक्षाएं भी उसी भवन से संचालित हो रही हैं, जिससे समस्या होने लगी है। इसको देखते हुए कुलपति ने नया विधि भवन बनाने का निर्णय लिया है। नए भवन का डिजाइन तैयार कर लिया गया है। वर्तमान में संचालित विधि संकाय के पीछे नया विधि भवन का निर्माण कराया जाएगा। दो मंजिला भवन की संरचना (जी 1) होगी, जिसमें आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कक्षाएं होंगी, जो अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तैयार करने के लिए डिजाइन की गई हैं। लगभग 9.50 करोड़ रुपये के अनुमानित लागत के साथ इस परियोजना को विश्वविद्यालय द्वारा स्ववित्तपोषित किया गया है। इसका निर्माण सरकारी निर्माण एजेंसी द्वारा कराया जाएगा, ताकि बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके।

सुविधाओं से लैस होगा नया भवन

नया विधि भवन दोमंजिला होने के साथ आठ कक्षाओं और आधुनिक व तकनीकी सुविधाओं से लैस होगा। इसमें 150 सीटों वाले सभागार का भी निर्माण कराया जाएगा। इसमें अतिथि व्याख्यान, कार्यशाला, सेमिनार और अन्य शैक्षणिक सम्मेलन होंगे। प्रशासनिक कार्यालय होगा, स्टाफ के लिए विशेष कमरे भी होंगे। डीन का कार्यालय, निदेशक का कार्यालय कार्यालय भी रहेगा।

"विश्वविद्यालय परिसर में विधि के नए भवन के निर्माण के लिए डिजाइन तैयार हो चुका है। साढ़े नौ करोड़ की लागत से बनने वाला यह भवन अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ उन छात्रों को आकर्षित करेगा जो कानूनी अध्ययन में रुचि रखते हैं। यह भवन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और कानूनी क्षेत्र में प्रभावशाली शोध करने के लिए आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध कराएगा।

प्रो.पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

Amar Ujala Page - 07

9.50 करोड़ की लागत से तैयार होगा नया विधि भवन

डीडीयू : दो मंजिला भवन के निर्माण की तैयारी में जुटा गोरखपुर विश्वविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में नए विधि भवन का निर्माण किया जाएगा। इसको लेकर विश्वविद्यालय ने 9.50 करोड़ के बजट का प्रस्ताव तैयार किया है। दो मंजिला भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इनमें कक्षाओं की डिजाइन ऐसी तैयार की गई है, जो अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने में सहायक साबित होगा।

गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में स्थित विधि भवन में एलएलबी की कक्षाएं चलतीं हैं। इसी साल बीए एलएलबी की कक्षाएं भी उसी भवन से संचालित होने लगीं। इसके चलते वहां दिक्कत उत्पन्न हो रही थी।

इसको देखते हुए कुलपति ने नया विधि भवन बनाने का निर्णय लिया। वर्तमान में संचालित विधि संकाय के पीछे नया विधि भवन बनेगा। दो मंजिला भवन का संरचना (जी+1) होगी, जिसमें आधुनिक सुविधाएं से सुसज्जित कक्षाएं होंगी।

लगभग 9.50 करोड़ रुपये के अनुमानित निर्माण लागत के साथ, इस परियोजना को विश्वविद्यालय की ओर से स्ववित्तपोषित किया गया है। एक सरकारी एजेंसी की ओर से निर्माण पूरा किया जाएगा।

बीए एलएलबी की कक्षाएं पुराने भवन में चलने से आ रही थी दिक्कत

भवन में ये होंगी सुविधाएं

विधि भवन दो मंजिला होने के साथ आठ कक्षाएं आधुनिक साज-सज्जा और तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसमें 150 सीटों वाले ऑडिटोरियम का भी निर्माण किया जाएगा। इसमें अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाओं, सेमिनारों और अन्य शैक्षणिक सम्मेलन किए जा कसेंगे। इस नए भवन में प्रशासनिक कार्यालय होगा, स्टाफ के लिए विशेष कमरे भी होंगे। डीन का कार्यालय, निदेशक का कार्यालय कार्यालय भी रहेगा।

विश्वविद्यालय परिसर में नए विधि भवन का निर्माण कराया जाएगा। इसकी डिजाइन तैयार हो गई है। यह भवन विधि संकाय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और कानूनी क्षेत्र में प्रभावशाली शोध करने के लिए आवश्यक संसाधन भी प्रदान करेगा।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

Hindustan Page - 08

9.50 करोड़ से तैयार होगा विधि भवन

प्रस्ताव तैयार

- दो मंजिला भवन के निर्माण की तैयारी में जुटा विश्वविद्यालय प्रशासन
- विधि के सभी पाठ्यक्रम की कक्षाएं एक ही भवन में चलने से मुश्किलें

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में नए विधि भवन का निर्माण किया जाएगा। इसे लेकर 9.50 करोड़ रुपये का बजट खर्च करने का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। दो मंजिला भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कक्षाएं होंगी। इन कक्षाओं की डिजाइन ऐसा तैयार किया गया है, जो अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने में सहायक साबित होगा।

डीडीयू में करीब छह वर्षों से बीए एलएलबी का संचालन होता है। पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में करीब छह सौ छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। लेकिन उनके पास अपना भवन नहीं है। किसी वर्ष शिक्षा संकाय स्थित मैनेजमेंट बिल्डिंग तो किसी वर्ष मुख्य परिसर स्थित विधि विभाग में उनकी कक्षाएं संचालित होती हैं। एलएलबी और एलएलएम के हिसाब से विधि विभाग का निर्माण हुआ था। बड़ी संख्या में अचानक कक्षाएं और छात्र संख्या बढ़ने के कारण बीए एलएलबी के संचालन में दिक्कतें आने की खबरें आती रहती हैं।

इसे देखते हुए डीडीयू प्रशासन ने बीए एलएलबी के लिए अलग भवन बनाए जाने का निर्णय लिया था। नए विधि भवन का डिजाइन तैयार कर लिया गया है। वर्तमान में संचालित विधि संकाय के पीछे इसका निर्माण कराया जाएगा।

भवन में होंगी ये सुविधाएं : इसमें आठ कक्षाएं आधुनिक साज-सज्जा और तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित होंगी। एक 150 सीटों वाले ऑडिटोरियम को भी निर्माण किया जाएगा। इसमें अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाओं, सेमिनारों और अन्य शैक्षणिक सम्मेलन किए जा सकेंगे। इसमें प्रशासनिक कार्यालय होगा, स्टाफ के लिए विशेष कमरे भी होंगे। डीन का कार्यालय, निदेशक का कार्यालय भी रहेगा।

"करीब साढ़े 9 करोड़ रुपये की लागत से नए विधि भवन के निर्माण के लिए डिजाइन तैयार कर लिया गया है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराने की कोशिश की जा रही है।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

Amar Ujala Select Page - 04

डीडीयू : 9.50 करोड़ से बनेगा नया विधि भवन

दो मंजिला भवन के निर्माण की तैयारी में जुटा गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में नए विधि भवन का निर्माण किया जाएगा। इसको लेकर विश्वविद्यालय ने 9.50 करोड़ के बजट का प्रस्ताव तैयार किया है। दो मंजिला भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इनमें कक्षाओं की डिजाइन ऐसी तैयार की गई है, जो अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने में सहायक साबित होगा।

गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में स्थित विधि भवन में एलएलबी की कक्षाएं चलतीं हैं। इसी साल बीएएलएलबी की कक्षाएं भी उसी भवन से संचालित होने लगीं। इसके चलते वहां दिक्कत उत्पन्न हो रही थी। इसको देखते हुए कुलपति ने नया विधि भवन बनाने का निर्णय लिया। वर्तमान में संचालित विधि संकाय के पीछे नया विधि भवन बनेगा। दो मंजिला भवन का संरचना (जी+1) होगी, जिसमें आधुनिक सुविधाएं से सुसज्जित कक्षाएं होंगी। लगभग 9.50 करोड़ रुपये के अनुमानित निर्माण लागत के साथ, इस परियोजना को विश्वविद्यालय की ओर से स्ववित्तपोषित किया गया है। एक सरकारी एजेंसी की ओर से निर्माण पूरा किया जाएगा।

भवन में ये होंगी सुविधाएं : विधि भवन दो मंजिला होने के साथ आठ कक्षाएं आधुनिक साज-सज्जा और तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसमें 150 सीटों वाले ऑडिटोरियम का भी निर्माण किया जाएगा। इसमें अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाओं, सेमिनारों और अन्य शैक्षणिक सम्मेलन किए जा कसेंगे। इस नए भवन में प्रशासनिक कार्यालय होगा, स्टाफ के लिए विशेष कमरे भी होंगे। डीन का कार्यालय, निदेशक का कार्यालय कार्यालय भी रहेगा।

बीएएलएलबी की कक्षाएं पुराने भवन में चलने से आ रही थी दिक्कत

"विश्वविद्यालय परिसर में नए विधि भवन का निर्माण कराया जाएगा। इसकी डिजाइन तैयार हो गई है। यह भवन विधि संकाय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और कानूनी क्षेत्र में प्रभावशाली शोध करने के लिए आवश्यक संसाधन भी प्रदान करेगा।

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

Rashtriya Sahara Page - 10

9.50 करोड़ से नए विधि भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 9.50 करोड़ रुपये की लागत से नए विधि भवन के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह दो मंजिला इमारत विधि के छात्रों के लिए कानूनी शिक्षा की नींव को मजबूत करने के उद्देश्य से बनायी जा रही है। इस भवन में 150 सीटों वाला आडिटोरियम भी शामिल होगा जहां विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित किया जायेगा।

गोविवि. अपने परिसर में एक नये दो मंजिला विधि भवन का निर्माण करा रहा है। कानूनी शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से वर्तमान में संचालित विधि संकाय के पीछे बनाए जाने वाले इस भवन का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करना और पूर्वांचल क्षेत्र में कानूनी अध्ययन के दायरे का विस्तार करना है। इस परियोजना में ग्राउंड फ्लोर के साथ ही एक मंजिल और निर्मित होगा। जिसमें सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कक्षाएं होंगी, जो एक अनुकूल शैक्षिक वातावरण तैयार करने के लिए डिजाइन की गई हैं। लगभग 9.50 करोड़ रुपये के अनुमानित निर्माण लागत के साथ, इस परियोजना को विधि द्वारा स्ववित्तपोषित किया गया है। इसका निर्माण एक सरकारी निर्माण एजेंसी द्वारा पूरा किया जाएगा ताकि नए बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके। **विधि भवन की मुख्य विशेषताएं ये होंगी :** ग्राउंड फ्लोर सहित इस दो मंजिल इमारत में शैक्षणिक और प्रशासनिक आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए सुव्यवस्थित लेआउट होगा। जिसमें आधुनिक साज-सज्जा और तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित आठ कक्षाएं होंगी। यह भवन विधि पाठ्यक्रमों खास कर बीए एलएलबी की बढ़ती मांग को पूरा करने और अधिक छात्रों को आराम और सुलभता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस नये विधि भवन में विशेष रूप से पूरी तरह से सुसज्जित 150 सीटों वाला ऑडिटोरियम होगा। यह ऑडिटोरियम अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाओं, सेमिनारों और अन्य शैक्षणिक सम्मेलनों के लिए एक बहुउद्देशीय स्थान के रूप में काम करेगा, जिससे छात्रों को अपने शैक्षिक अनुभव को व्यापक बनाने के विभिन्न अवसर मिलेंगे। नए भवन में वहां के कर्मचारियों के लिए भी विशेष कमरे होंगे, जिनमें डीन का कार्यालय और निदेशक का कार्यालय शामिल हैं। ये स्थान संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच सुगम पहुंच और संचार सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित होंगे, जिससे एक सहयोगी शैक्षणिक वातावरण का निर्माण होगा। **प्रभावशाली शोध को प्रदान करेगा संसाधन :** इस भवन की पूरी योजना कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बनायी है। एक समर्पित विधि भवन की स्थापना उनके व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के शैक्षिक मानकों को बढ़ाना और उत्तर प्रदेश में इसे एक प्रमुख संस्थान के रूप में स्थापित करना है। प्रो. टंडन ने नए भवन की आवश्यकता के बारे ने चर्चा करते हुए कहा, कि इस नए विधि भवन के साथ, हमारा उद्देश्य छात्रों को एक समृद्ध शिक्षण वातावरण प्रदान करना है, जो कानूनी शिक्षा के समकालीन मानकों को पूरा करता हो। यह भवन विधि संकाय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और कानूनी क्षेत्र में प्रभावशाली शोध करने के लिए आवश्यक संसाधन भी प्रदान करेगा। **कानून के विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा यह भवन:** कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इस भवन के बारे में कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय में नए विधि भवन की स्थापना संस्थान की शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार करने और एक आधुनिकीकृत परिसर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपने अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ, विधि भवन उन छात्रों को आकर्षित करेगा जो कानूनी अध्ययन में रुचि रखते हैं, जो राज्य में कानूनी पेशेवरों के निर्माण में कारगर साबित होगा।

- डीडीयू में बनने जा रहा विधि के छात्रों के लिए नया भवन
- कानून के छात्रों के लिए आधुनिक सुख सुविधाओं से लैस होगा
- 150 सीटों वाले ऑडिटोरियम का होगा निर्माण

Swatantra Chetna

समृद्ध शिक्षण वातावरण प्रदान करेगा नया विधि भवन: कुलपति

विश्वविद्यालय में नए विधि भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। कानूनी शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अपने परिसर में एक नया विधि भवन का निर्माण करने जा रहा है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करना और पूर्वांचल क्षेत्र में कानूनी अध्ययन के दायरे का विस्तार करना है।

वर्तमान में संचालित विधि संकाय के पीछे बनाने वाला नया विधि भवन दो मंजिला होगी, जो आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कक्षाएं होंगी, जिसे एक अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तैयार करने के लिए डिजाइन की गई हैं।

बताया कि लगभग 9.50 करोड़ रुपये के अनुमानित निर्माण लागत के साथ, इस परियोजना को विश्वविद्यालय द्वारा स्ववित्तपोषित किया गया है। इसका निर्माण एक सरकारी निर्माण एजेंसी द्वारा पूरा किया जाएगा ताकि नए बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके।

ये है नए विधि भवन की विशेषताएं

नया विधि भवन की ग्राउंड प्लस वन संरचना होगी, जिसका शैक्षणिक और प्रशासनिक आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए सुव्यवस्थित लेआउट होगा। इस भवन में आठ कक्षाएं होंगी। यह भवन विधि पाठ्यक्रमों खास कर बीए एलएलबी की बढ़ती मांग को पूरा करने और अधिक छात्रों को आराम और सुलभता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। नए भवन की मुख्य विशेषताओं में से एक पूरी तरह सुसज्जित 150 सीटों वाला ऑडिटोरियम होगा। यह ऑडिटोरियम अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाओं, सेमिनारों और अन्य शैक्षणिक सम्मेलनों के लिए एक बहुउद्देशीय स्थान के रूप में काम करेगा। इस भवन में स्टाफ के लिए विशेष कमरे भी होंगे, जिनमें डीन का कार्यालय और निदेशक का कार्यालय शामिल हैं। ये स्थान संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच सुगम पहुंच और संचार सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित होंगे, जिससे एक सहयोगी शैक्षणिक वातावरण का निर्माण होगा।

विश्वविद्यालय में नए विधि भवन की स्थापना संस्थान की शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार करने और एक आधुनिकीकृत परिसर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपने अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ, विधि भवन उन छात्रों को आकर्षित करेगा जो कानूनी अध्ययन में रुचि रखते हैं, जो राज्य में कानूनी पेशेवरों के निर्माण में कारगर साबित होगा।

– कुलपति प्रो. पूनम टंडन

Super Fast Times

9.50 करोड़ की लागत से तैयार होगा गोरखपुर विश्वविद्यालय का विधि विभाग

-नवीन विधि भवन से मिलेगा समृद्ध शिक्षण वातावरण: कुलपति

हमारा उद्देश्य छात्रों को एक समृद्ध शिक्षण वातावरण प्रदान करना है जो कानूनी शिक्षा के समकालीन मानकों को पूरा करता है। यह भवन विधि संकाय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और कानूनी क्षेत्र में प्रभावशाली शोध करने के लिए आवश्यक संसाधन भी प्रदान करेगा।

प्रो० पूनम टंडन,कुलपति,गोरखपुर विश्वविद्यालय

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर परिसर में विधि शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए नवीन विधि भवन का निर्माण किया जा रहा है। कुलपति प्रो० पूनम टंडन की पहल से प्रेरित इस परियोजना का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करना और पूर्वांचल क्षेत्र में विधि अध्ययन के दायरे का विस्तार करना है। वर्तमान में संचालित विधि संकाय के पीछे बनने वाला नवीन विधि भवन दो मंजिला (जी+1) होगा, जिसमें आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कक्षाएं होंगी, जो एक अनुकूल शैक्षणिक वातावरण बनाने के लिए डिजाइन की गई हैं। लगभग 9.50 करोड़ रुपये की अनुमानित निर्माण लागत वाली इस परियोजना को विश्वविद्यालय द्वारा स्व-वित्तपोषित किया गया है। नवीन बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और मानकों को सुनिश्चित करने के लिए इसका निर्माण एक सरकारी निर्माण एजेंसी द्वारा पूरा किया जाएगा। भवन में आधुनिक साज-सज्जा और तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित आठ कक्षाएं होंगी। इसमें 150 सीटों वाला एक सभागार होगा। सभागार अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाओं, सेमिनारों और अन्य शैक्षणिक सम्मेलनों के लिए बहुउद्देशीय स्थान के रूप में काम करेगा। डीन ऑफिस और डायरेक्टर ऑफिस सहित स्टाफ के लिए भी समर्पित कमरे होंगे।

Nirbhik India

नए विधि भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू